हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
बुधवार
30 नवंबर 2022, मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, सप्तमी, विक्रम संवत् 2079, बरेली

PAGE NO, 07, TOP

धृतराष्ट्र को देख गांधारी ने अपनी आंखों पर बांधी पट्टी

एसआरएमएस रिद्धिमा में नाटक कोमल गांधार का एक दृश्य।

बरेली। एसआरएमएस रिद्धमा के प्रेक्षागृह में रविवार को शंकर शेष लिखित नाटक कोमल गांधार का मंचन हुआ। इसका निर्देशन विनायक श्रीवास्तव ने किया है। महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित इस नाटक में गांधारी के चरित्र को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया। नाटक कोमल गांधार उनके अंतर्मन, उनकी पीड़ा, उनके संघर्ष और उनकी वैचारिक शक्ति को केंद्र में लाता है। नाटक का आरंभ भीष्म और संजय के गांधारी को धृतराष्ट्र से विवाह के लिए गांधार से हस्तिनापुर लेकर लाने से होता है। साथ में शकुनि भी आता है। गांधारी को पता नहीं है कि धृतराष्ट्र अंधा है। यह जानकारी होने के बाद भी गांधारी धृतराष्ट्र से विवाह कर लेती हैं। वह विवाह मंडप में इस दुनिया को नहीं देखने की प्रतिज्ञा के साथ अपनी आंखों पर पट्टी बांध लेती हैं। धृतराष्ट्र इससे सहमत नहीं होते और गांधारी से पट्टी खोलने के लिए कहते हैं, लेकिन वो मन से दुखी और प्रतिशोध के कारण पट्टी खोलने से मना कर देती है। नाटक में गांधारी की भूमिका अनमोल मिश्रा और धृतराष्ट्र की भूमिका पंकज कुकरेती ने निभाई। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, उषा गुप्ता आदि मौजूद रहे।